ToB बालमंच

मासिक   मई- 2023   नन्हीं कलम से ………. ✍

कला विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

क्यों आता है गर्मी मौसम में पसीना ?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय

म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 29

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का कला विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

कला, सीखने के कार्य को संपन्न करती है : कला सीखने को गहन और सजीव बनाती है। इसी कारण यह समस्या समाधान की उच्च क्षमता भी उत्पन्न करती है। यह अनुभव की गई वस्तुओं को एक नया अर्थ, नवीन सत्य देती है और उनमें नए संबंध स्थापित करती है। कला, मानसिक प्रक्रिया को अधिक अन्तःस्थ बनाती है और सीखने में उन भावनाओं को भी सम्मिलित करती है जो हम उन वस्तुओं के प्रति रखते हैं। यह भावात्मक प्रवृत्ति को जगाकर गत्यात्मक प्रत्युत्तरों के लिए प्रेरित करती हैं और विभिन्न ज्ञानेन्द्रियों में सहभागिता लाती है।

बाल विकास में कला हमारे विचार से अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, सबसे छोटी की शिक्षा के लिए एक मौलिक अनुशासन माना जाता है। एक ओर, कलात्मक गतिविधियाँ पढ़ने या गणित जैसे अन्य विषयों के सीखने को प्रोत्साहित करती हैं और दूसरी ओर, वे धारणा, मोटर कौशल और सामाजिक संपर्क के विकास के पक्ष में हैं।.

इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विशेषांक में आप भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता अवश्य सुनिश्चित करें। मुझे उम्मीद है की आप हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा ToB बालमंच की उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ......

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

कला की दृष्टि से भारत बहुत समृद्ध है । भारत को विविधता का देश कहा जाता है । कला के सन्दर्भ में भी भारत में बहुत विविधता है, जो इसे संसार के अन्य सभी देशों से विशिष्ट बनाती है । कला और जीवन का बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध है । कला के विकास का उद्देश्य कभी आत्मानुभूति होता है, तो कभी आनन्द और विनोद । कला के माध्यम से कभी संघर्ष किया जाता है, तो कभी उस संघर्ष से मुक्ति पाई जाती है । कला यश-प्राप्ति, धन-प्राप्ति, शान्ति-प्राप्ति तथा समाज को सही राह दिखाने का माध्यम भी बनती है । नृत्य, चित्रकला, हस्त कलाएँ, भित्ति चित्र, गीत-संगीत, अभिनय, साहित्य, भवन निर्माण आदि सभी कला की परिधि में शामिल किए जाते हैं ।

बिहार की मधुबनी चित्रकारी, ओडिशा की पत्ताचित्र चित्रकारी, आन्ध्र प्रदेश की निर्मल चित्रकारी, पंजाब का भाँगड़ा नृत्य, गुजरात का डांडिया, असोम का बिहू नृत्य, भरतनाट्यम नृत्य, कथकली नृत्य, अजन्ता-एलोरा के भित्ति चित्र, संगीत की विभिन्न विधाएं एवं राग-रागिनी, अभिनय की शैलियाँ, रामायण, महाभारत, संगम साहित्य, मेघदूत, दिलवाड़ा के जैन मन्दिर, ताजमहल आदि के माध्यम से सौन्दर्य की अभिव्यक्ति हुई है ।

अत: इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कला केवल उल्लास, हर्ष और आनन्द को प्रकट करने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि समाज को परिवर्तन की ओर भी उन्मुख करती है और उसमें एक नवीन चेतना जागृत करती है । तुमलोग चित्रकला, लेखन-कला जैसे-कविता, कहानी आदि TOB बालमंच में भेज रहे हो ये सब कला के ही उदाहरण तो हैं| इन कलाओं के माध्यम से तुम्हारे जीवन में भी कई बदलाव होंगे|

आशा है ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा |

ढेर सारी शुभकामनाएँ सहित.......

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. निधि चौधरी, नया प्रा.वि. सुहागी (किशनगंज)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

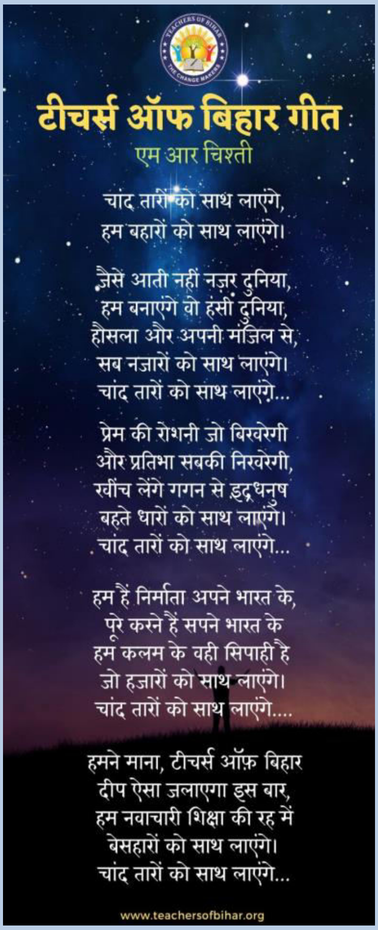

प्रेरक प्रसंग

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक मूर्तिकार रहता था। वह ऐसी मूर्तियां बनता था, जिन्हें देख कर हर किसी को मूर्तियों के जीवित होने का भ्रम हो जाता था। आस-पास के सभी गांव में उसकी प्रसिद्धि थी, लोग उसकी मूर्तिकला के कायल थे। इसीलिए उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। जीवन के सफर में एक वक्त ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि अब उसकी मृत्यु होने वाली है, वह ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाएगा। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एक योजना बनाई। उसने हुबहू अपने जैसी दस मूर्तियां बनाई और खुद उन मूर्तियों के बीच जा कर बैठ गया।

यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियों को देखकर दंग रह गए। वे पहचान नहीं कर पा रहे थे कि उन मूर्तियों में से असली मनुष्य कौन है। वे सोचने लगे अब क्या किया जाए।

शुभकामना संदेश

देश के भविष्य को स्वर्णिम बनाने हेतु वर्तमान के नन्हे-मुन्ने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारित करना आवश्यक है। अच्छे संस्कार के बिना शिक्षा चाहे वह कितनी ही उच्च कोटि की क्यों ना हो अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः अच्छे राष्ट्र को समृद्ध नहीं कर सकता |

'ToB बालमंच' ऑनलाइन पत्रिका इस दिशा में बच्चों के मूल रचनाओं एवं विचारों को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जो उनके सृजनशीलता एवं कल्पना को साकार रूप देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु एक सराहनीय प्रयास है। इस पत्रिका के गुणवत्ता को प्रदर्शित करने के लिए हमारे प्रशंसा के सारे शब्द छोटे पड़ रहे हैं।

मैं अपनी ओर से TOB बालमंच के सृजनकर्ता, पूरी टीम मेम्बर तथा प्रकाशक- टीचर ऑफ बिहार को अशेष शुभकामनाएं देते हुए इसके सफल प्रकाशन की कामना करता हूं। धन्यवाद सहित।

व्यास जी,
रिटायर्ड IAS,
पूर्व उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन,

FLN गतिविधि लिंक On TOB

1) https://www.facebook.com/100004537477257/videos/605299584698382/
2) https://www.facebook.com/100009126538721/videos/969283117721285/
3) https://fb.watch/kUg2u4C9PD/
4) https://www.facebook.com/100006509625389/videos/1180313672655873/
5) https://www.facebook.com/100004891740071/videos/767894041556077/
6) https://www.facebook.com/100006509625389/videos/1673595566413301/
7) https://www.facebook.com/100006306281847/videos/240684065245351/

अगर मूर्तिकार के प्राण नहीं ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियों को तोड़ा गया तो कला का अपमान हो जाएगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वाभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार को परखने का विचार आया। उसने मूर्तियों को देखते हुए कहा, कितनी सुन्दर मूर्तियां बनी हैं, लेकिन मूर्तियों में एक त्रुटी है। काश मूर्ति बनाने वाला मेरे सामने होता, तो मैं उसे बताता मूर्ति बनाने में क्या गलती हुई है।

यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा, उसने सोचा, मेने अपना पूरा जीवन मूर्तियां बनाने में समर्पित कर दिया, भला मेरी मूर्तियों में क्या गलती हो सकती है? वह बोल उठा “कैसी त्रुटी”... झट से यमदूत ने उसे पकड़ लिया और कहा “बस यही गलती कर गए तुम अपने अहंकार में कि बेजान मूर्तियां बोला नहीं करती”...!! इस कहानी की शिक्षा यही है कि अहंकार ने हमेशा इन्सान को परेशानी और दुःख के सिवा कुछ नहीं दिया।

विकास कुमार,
म.वि.महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर कुदरा के वर्ग-9 के छात्र द्वारा रद्दी कागज एवम थर्मोकोल तथा कूट की मदद से शेरशाह सूरी का मकबरा बनाया ।

कहानी बनाओ

राखी कुमारी, प्राथमिक विद्यालय, धोबी टोला, तिरसकुंड

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें||| कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

बूझो तो जानें..

ऐसी कौन सी चीज है
जो जागने पर खड़ी रहती है
और सोते ही गिर जाती है |

:- पलक

हंसो रे बाबू

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?

गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम।

टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं।

गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

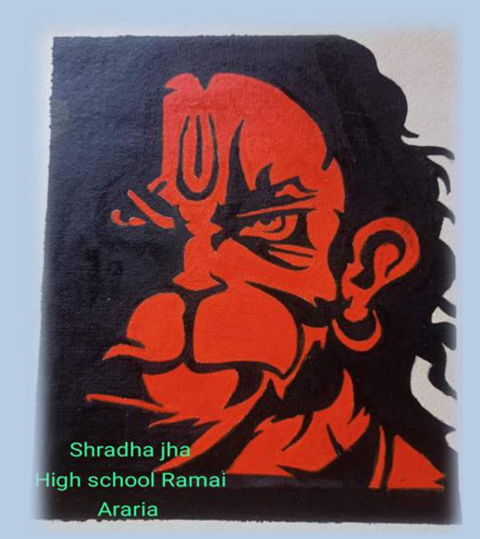

क्या आप जानते हैं ?

1. भारत के पश्चिमी घाट को क्या कहा जाता है ? Ans. सहयाद्रि

2. हिमालय की सबसे ऊंची श्रेणी कौन सी है ? Ans. हिमाद्रि

3. सूर्य ग्रहण में पूर्ण सूर्यग्रहण की अधिकतम अवधि कितना होती है ?
Ans. 7 Minute, 40 Second

4. हिमालय की किस चोटी का नाम सागरमाथा है ? Ans. एवरेस्ट का

5. गंगा को बांग्लादेश में किस नाम से जाना जाता है ? Ans. पद्मा के नाम से

6. तिस्ता नदी किस वृहत नदी व्यवस्था के अन्तर्गत आती है ? Ans. Brahmputra

7. किस नदी को बूढ़ी गंगा के नाम से जाना जाता है ? Ans. Godavari

8. सेनफ्रांसिस्को से ब्लाडी वोस्टक के लिए न्यूनतम दूरी तय करने हेतु किस एक महासागर के ऊपर से उड़ान भरनी होगी ?
Ans. प्रशान्त महासागर के ऊपर से

9. लहोत्से पर्वतश्रेणी किस देश में हैं ?
Ans. Nepal

10. धौलाधार तथा पीर पंजाल पर्वत श्रेणियों के मध्य कौन सी घाटी स्थित है ?
Ans. कुल्लू घाटी

अमीर रज़ा, नया प्रा वि सुहागी

अंग्रेजी सीखें

SYNONYM

ability - capability, competence, skill

achieve - attain, accomplish, realize, reach

angry - furious, irate, livid

appreciate - cherish, treasure, value

baffle - bewilder, confuse, perplex, puzzle

beautiful - attractive, pretty, lovely, stunning

bossy - controlling, domineering, overbearing

but - although, besides, though

अर्चना कुमारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर

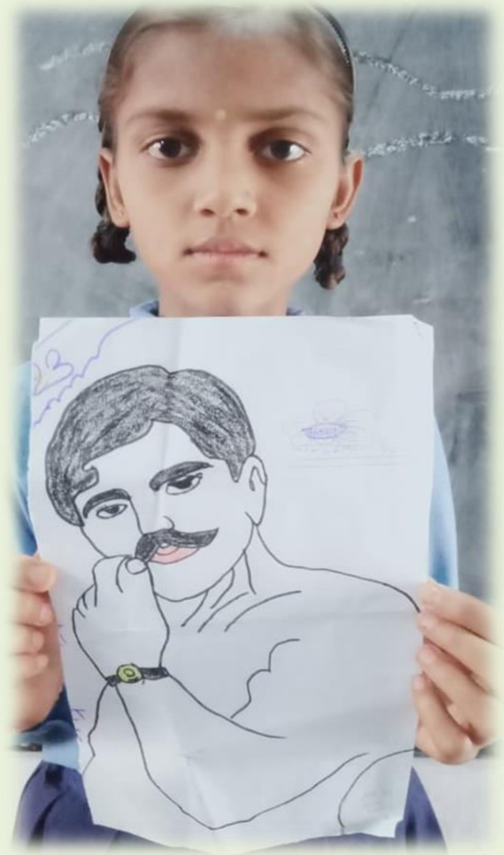

नेहा कुमारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर

फोटो ऑफ़ द मंथ

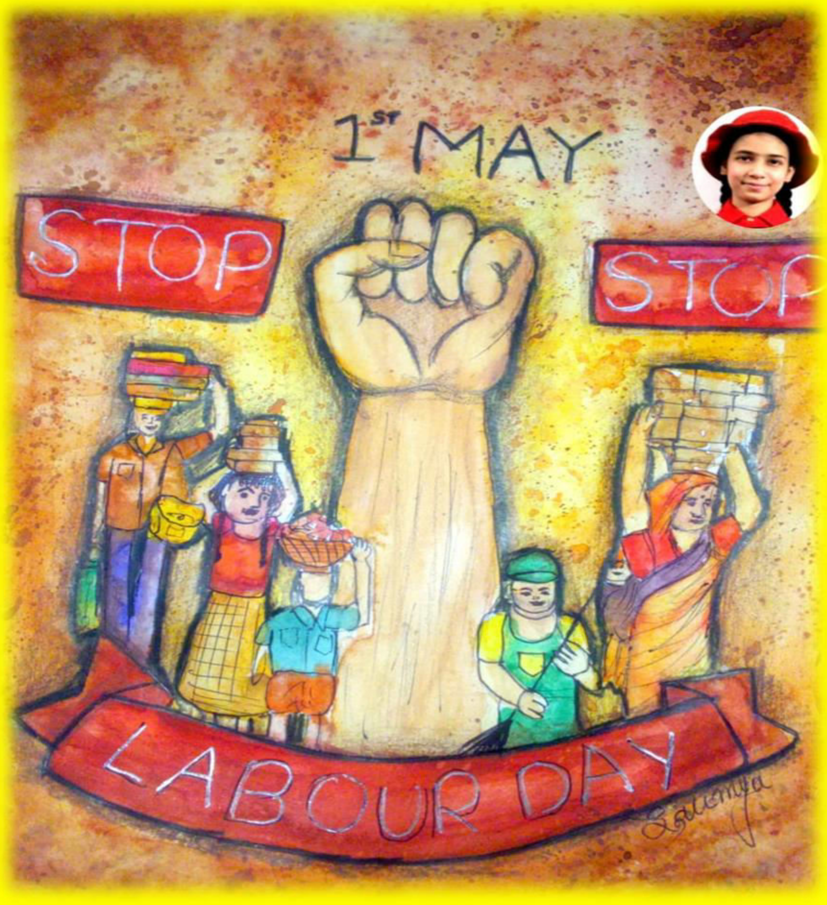

सौम्या अग्रवाल, अलीगढ़

प्रमुख दिवसें

विश्व हास्य दिवस- मई महीने के पहले रविवार को

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम दिवस/मजदूर दिवस- 1 मई

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस- 3 मई

विश्व रेडक्रॉस दिवस- 8 मई

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस - 11 मई

अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस- 12 मई

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस- 15 मई

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस- 22 मई

पत्रकारिता दिवस- 30 मई

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस- 31 मई

हिंदी ज्ञान :

संज्ञा की परिभाषा (Sangya Definition in Hindi): किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, गुण, भाव या स्थान के नाम के घोतक शब्द को संज्ञा (Sangya) कहते हैं। संज्ञा (संग्या) का अर्थ नाम होता है, क्योंकि संज्ञा किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, गुण, भ या स्थान के नाम को पहचानता है। संज्ञा एक विकारी शब्द है।

संज्ञा शब्द का किसी वस्तु, प्राणी, व्यक्ति, गुण, भाव या स्थान के लिए नहीं किया जाता, बल्कि किसी वस्तु, व्यक्ति, प्राणी, गुण, भाव या स्थान के “नाम” के लिए किया जाता है। जैसे:- मोहन पुकारा जाता है। इसमें मोहन नामक व्यक्ति नाम नहीं है, बल्कि उस व्यक्ति का नाम "मोहन" है।

संज्ञा के उदाहरण (संग्या के उदहरान)

व्यक्ति का नाम – रमेश, अजय, विराट कोहली, नवदीप, राकेश, शंकर

वस्तु का नाम – कलम, डंडा, चारपाई, कंघा

गुण का नाम - सुन्दरता, ईमानदारी, बेईमानी, चालाकी

भाव का नाम – प्रेम, गुस्सा, आश्चर्य, दया, करूणा, क्रोध

स्थान का नाम – आगरा, दिल्ली, जयपुर

बालमन

मैं चंदा कुमारी, वर्ग-अष्टम में पढ़ती हूँ और मुझे हमेशा बालमंच का इंतजार रहता है क्योंकि बालमंच में कहानी, चुटकुला, बच्चों की पेंटिंग सब देखना बहुत पसंद है। काश कि अखबार या किताब के रूप में हमारे पास हमेशा के लिए आ जाता!

TEACHERS OF BIHAR

The change makers....

वैज्ञानिक कारण

क्यों आता है गर्मियों में पसीना?

पसीना आना सेहत के लिए लिए सामान्य स्थिति में बुरा नहीं होता है. गर्मी के मौसम में जब हमारे शरीर का तापमान बढ़ जाता है उसे सामान्य रखने के लिए पसीने की ग्रंथियां सक्रिय हो जाती हैं. जिनके जरिए निकलने वाले पसीने से शरीर का तापमान नियंत्रित हो जाता है. यह जरूरी है कि एक सामान्य व्यक्ति को सामान्य स्थिति में पसीना निकले. पसीना निकलने से गर्मी में 'हीट स्ट्रोक' जैसी समस्या से हमारा बचाव होता है. पसीना असल में हमारे शरीर में मौजूद पानी ही होता है.

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय

मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

आओ योग सीखें..... प्राणायाम

वृक्षासन (Vriksasana)

वृक्षासन को इंग्लिश में ट्री पोज कहा जाता है। इस योगासन बच्चों के लिए इसलिए लाभकारी बताया गया है, क्योंकि बच्चों के लिए योगासन रूटीन में वृक्षासन को शामिल करने से मस्तिष्क को लाभ मिलता है और बच्चों की एकाग्रता भी बढ़ती है। वृक्षनसान बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी लाभकारी बताया गया है, क्योंकि इससे चिंता और तनाव को दूर करने में मदद मिलती है।

कैसे करें वृक्षासन?

वृक्षासन (Vriksasana) करने के लिए सबसे पहले ऊपर बताये गए ताड़ासन पोज में बच्चे को खड़ा करें और नीचे दिए स्टेप्स को फॉलो करें।

स्टेप 1- बच्चे के एक पैर को घुटने पर रखें।

स्टेप 2- अब दोनों हाथों को ऊपर ऊपर की ओर जॉइन करें।

स्टेप 3- अब इस पुजिशन में सेकेंड के लिए रहने दें।

स्टेप 4- बच्चे को रिलैक्स पुजिशन में आने दें।

इस आसान को भी 4 से 5 बार बच्चे कर सकते हैं।

अखबारों के नजर में हम

सम्मान समारोह अब बिहार के अन्य जिलों में भी बालमन पत्रिका की शुरुआत जल्द हीं की जाएगी- शिव कुमार

मासिक ई-पत्रिका ToB बालमन कैमूर की टीम ने किया ’विद्यार्थी-शिक्षक सम्मान समारोह’ का आयोजन

कैमूर। सरकारी विद्यालयो में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा की अपार संभावनाएं है। इन प्रतिभा को एक मंच देने और इसके माध्यम से बच्चो की कला को राज्यस्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा संचालित बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज कुमार के द्वारा मासिक शैक्षिक ई-पत्रिका ञ्श्क्ष्क बालमन की शुरुआत विगत 16 माह पूर्व की गई थी। ञ्श्क्ष्क बालमन पत्रिका के प्रकाशन में उत्कृष्ट योगदान करने वाले बच्चों एवं शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु टीम के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल समूह द्वारा कुल तीन छात्र/छात्राओं और तीन शिक्षक/शिक्षिकाओं का चयन किया

गया। इनका चयन पेंटिंग, मूर्तिकला, हस्तकला, कबाड़ से जुगाड़ अंतर्गत सजावटी वस्तु, नवाचारी गतिविधि, बेहतरीन चेतना सत्र, एमडीएम संचालन और खेल-खेल में शिक्षण विधि आदि के आधार पर किया गया। इन चयनित छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को सम्मानित करने के लिए 20 मई को जिला शिक्षा सभागार कैमूर में ÷ञ्श्क्ष्क बालमन पत्रिका÷ के संपादक शिक्षक धीरज कुमार के द्वारा ÷विद्यार्थी-शिक्षक सम्मान समारोह÷ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी सुमन शर्मा, एसएसए डीपीओ अक्षय कुमार पाण्डेय, स्थापना डीपीओ अमरेंद्र कुमार पाण्डेय, एमडीएम सह माध्यमिक शिक्षा डीपीओ मुरारी प्रसाद गुप्ता, शिक्षक अरुण कुमार सिंह और राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार विजेता हरिदास शर्मा की उपस्थिति में मंच संचालन शिक्षक कमलेश कुमार के द्वारा किया गया। बालमन के प्रधान संपादक धीरज कुमार के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित सभी अतिथियों का स्वागत बुके देकर, माला पहनाकर और अंग वस्त्र के माध्यम से की गई। उपस्थित सभी अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

अब बिहार के अन्य जिलों में भी बालमन पत्रिका की शुरुआत जल्दः शिव कुमार

लोकतंत्र की आवाज

कैमूर। सरकारी विद्यालयो में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा की अपार संभावनाएं है। इन प्रतिभा को एक मंच देने और इसके माध्यम से बच्चो की कला को राज्यस्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा संचालित बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज कुमार के द्वारा मासिक शैक्षिक ई-पत्रिका ळब्झ बालमन की शुरुआत विगत 16 माह पूर्व की गई थी। टॉब बालमन पत्रिका के प्रकाशन में उत्कृष्ट योगदान करने वाले बच्चों एवं शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु टीम के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल समूह द्वारा कुल तीन छात्र/छात्राओं और तीन शिक्षक/शिक्षिकाओं का चयन किया

गया। इनका चयन पेंटिंग, मूर्तिकला, हस्तकला, कबाड़ से जुगाड़ अंतर्गत सजावटी वस्तु, नवाचारी गतिविधि, बेहतरीन चेतना सत्र, एमडीएम संचालन और खेल-खेल में शिक्षण विधि आदि के आधार पर किया गया। इन चयनित छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को सम्मानित करने के लिए 20 मई को जिला शिक्षा सभागार कैमूर में ?ळब्झ बालमन पत्रिका? के संपादक शिक्षक धीरज कुमार के द्वारा ?विद्यार्थी-शिक्षक सम्मान समारोह? का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी सुमन शर्मा, एसएसए डीपीओ अक्षय कुमार पाण्डेय, स्थापना डीपीओ अमरेंद्र कुमार पाण्डेय, एमडीएम सह माध्यमिक शिक्षा डीपीओ मुरारी प्रसाद गुप्ता, शिक्षक अरुण कुमार सिंह और राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार विजेता हरिदास शर्मा की उपस्थिति में मंच संचालन शिक्षक कमलेश कुमार के द्वारा किया गया।

बालमन के प्रधान संपादक धीरज कुमार के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित सभी अतिथियों का स्वागत बुके देकर, माला पहनाकर और अंग वस्त्र के माध्यम से की गई। उपस्थित सभी अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।उत्कृष्ट योगदान के लिए चयनित छात्रा राधिका कुमारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया, भगवानपुर, हनी तिवारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नरहन, रामगढ़, अर्चना यादव एवं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर कुदरा को राइजिंग स्टार अवार्ड, प्रशस्ति पत्र एवं कलर सेट दिया गया। साथ ही उत्कृष्ट चयनित शिक्षक राजीव कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय अरी, मोहनियां, ब्रजेश कुमार, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर कुदरा एवं शिक्षिका आफशा बेगम, उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवन्दिया चांद को ळब्झ स्टार टीचर ऑफ द मंथ अवार्ड, प्रशस्ति पत्र, डायरी एवं कलम से सम्मानित किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने बताया कि बालमन पत्रिका की शुरुआत कैमूर से हो चुकी है अब बिहार के अन्य जिलों में भी इसकी शुरुआत जल्दी ही की जाएगी। उन्होंने कहा सम्मानित होने वाले सभी छात्र/छात्राएं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को टीम टीचर्स ऑफ बिहार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने दी।

टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल वीडियो का असर

भागलपुर के प्राथमिक विद्यालय अंबा को मिला विद्यालय विकास हेतु 1 लाख रुपए की सामग्री

बिहार के सरकारी विद्यालयों में आयोजित गतिविधि की सराहना अब देश ही नहीं विदेशों में भी

जे टी न्यूज

भागलपुरः हाल ही में बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर भागलपुर जिले के प्राथमिक विद्यालय अंबा की शिक्षिका मीनाक्षी कुमारी का एक शैक्षिक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हुआ था। उस वीडियो में गतिविधि आधारित शिक्षण के अंतर्गत बच्चे सब्जी बेचने वाले एवं शिक्षिका ग्राहक की भूमिका का निर्वहन कर रही थी। इस वीडियो को देखकर भारतीय मूल निवासी आनंद तिवारी जो वर्तमान में ओमान देश में रहते हैं उनके द्वारा विद्यालय परिवार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से 1 लाख रुपए की सामग्री उपहार स्वरूप भेंट किया गया है। यह सामग्री टीचर्स ऑफ बिहार की टीम लीडर सह डिस्ट्रिक्ट मेंटर भागलपुर खुशबू कुमारी एवं टीम के सदस्य ओम प्रकाश कुमार के माध्यम से मंगलवार को विद्यालय में विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी कुमारी को हस्तगत कराया गया। हस्तगत कराए जाने वाले सामग्री की सूची में स्मार्ट टीवी, बैटरी, इनवर्टर, म्यूजिक सिस्टम, 6 कुर्सी, 6 दरी एवं 3 पंखा

शामिल है। साथ ही इस विद्यालय के एक वर्ग को आनंददायी वर्ग कक्ष में परिवर्तित किया जाएगा। इस उपलब्धि को लेकर टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने सर्वप्रथम शिक्षिका मीनाक्षी कुमारी सहित पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि ढूंढने पर बिहार में कई ऐसे विद्यालय मिल जाएंगे जिसमें किसी न किसी कारणवश अभी भी आवश्यकतानुसार शैक्षिक सामग्रियों की कमी है परंतु शिक्षक इन सीमित संसाधनों के बावजूद अपने नवाचारों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण भागलपुर जिले की शिक्षिका मीनाक्षी कुमारी हैं।

इनके विद्यालय में भी कुछेक विद्यालयों की भांति आधुनिक सुविधा उपलब्ध नहीं होने के बावजूद वे अपने उत्कृष्ट शिक्षण कौशल से बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान की समझ गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से विकसित कर पा रही हैं। जिसकी चर्चा आज देश ही .

नहीं विदेशों में भी हो रही है। प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी कुमारी ने दानदाता श्री तिवारी को पूरे विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद देते हुए कहा अब हमारे विद्यालय में प्राथमिक कक्षाओं में भी बच्चे टेक्नोलॉजी के माध्यम से सीखेंगे और लाभान्वित होंगे।

उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी है।

कविता: बचपन

जीवन का वह स्वर्णिम क्षण,
जो था नन्हा- मुन्ना बचपन।
उस बचपन की कुछ यादें हैं,
कुछ प्यारे-प्यारे वादे हैं।
जो की थीं हमनें पेड़ों संग,
गौरैयों संग,गुब्बारों संग।
मित्रों की ऐसी टोली थी,
खेलों में आँख- मिचौली थी।
तरुवर की डाली जब झुककर
करता हम सबका आलिंगन।
झूले लगते जब पेड़ों पर
खिल उठता हम सबका मन।
बागों में जब फूलों पर ,
भँवरे करते रहते गुंजन।
मन भाव विभोर हो जाता था,
खिल उठता था फिर से बचपन।
जब नदियाँ कल- कल करती थी
बज उठता था जब जल -तरंग।
जब ठंडी-ठंडी हवा सुहानी,
भर देती मन में नये उमंग।
जब ताल तिलैयों में दिनभर
केले के बेड़े सजते थे,
और सन्ध्या होते ही फिर से,
सूरज चल देता अस्ताचल।
जब झूम झूम कर अमराई,
खुशियों के संदेशे देते थे,
तब हँसता मुस्काता बचपन,
उन्मुक्त छलांगे भरता था।
जब बागों में कलियाँ खिलकर
इठलाती थी इतराती थीं,
जब फूलों पर तितलियों के झुण्ड
दिनभर मंडराया करती थीं।
तब हम बच्चे आँखे मीचे,
भागा करते तितलियों के संग,
इस तरह से भागा- भागी में
बचपन के उस नादानी में,
हम करते रहते सुबह से शाम।
जब घूम घूम कर दिनकर भी,
थककर के सो जाता था
तब मस्त मगन हो कर हम भी,
अपने घरोंको लौटा करते थे।
फिर नया सवेरा होता था ,
दिन यूँ ही चलता रहता था।
जीवन के भागा भागी में,
खो गया हमारा वो बचपन
जब मिलता है फुरसत का क्षण,
याद आता है फिर से बचपन।

प्रीति कुमारी
कन्या मध्य विद्यालय मऊ विद्यापति नगर
समस्तीपुर

NPS कठौरा, भभुआ, कैमूर

कविता: जीवन यही सिखाती है

जीवन यही सिखाती है
सही मार्ग पर चलना,
सत्य अटल पर रहना,
झूठी बातें छोड़ के साथी,
सच कहना बतलाती है,
जीवन यही सिखाती है।

प्रज्ञा पुष्पम
कक्षा...4
मध्य विद्यालय हनुमान नगर
खगड़िया,बिहार

कविता: बिहार दिवस

बिहार के है हम सब बिहारी
गर्व हमे है हम इस राज्य वासी
समझो न हमे तुच्छ
करो न हमारी तुलना तुम

इस राज्य के महान संतो ने
दिए कई शिक्षा और उपदेश
जिसने किया है देश का नाम उच्चा
नालंदा विश्वविद्यालय है पुराणिक

विश्व शिक्षा की खान
बिहार का पुराना नाम मगध था
चाणक्य ने दिया अर्थशास्त्र का ज्ञान
बोधि वृक्ष के नीचे बैठकर
गौतम बुद्ध ने प्राप्त किया ज्ञान

नाम - अक्स नाज, कक्षा- १०
ठाकुरगंज,

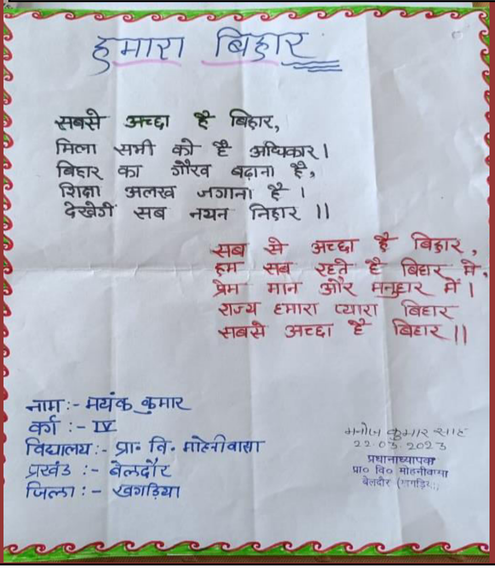

UHS HARDASPUR,KUDRA kaimur के राहुल कुमार वर्ग-8 तथा रामराज कुमार वर्ग-9 के द्वारा कबाड़ से जुगाड़ पद्धति पर लैपटॉप मॉडल को प्रस्तुत किया

Name- Suhani Suman, Class-6, MS Siropatti, Samastipur

एकता कुमारी मध्य विद्यालय पोखराम

कविता: पृथ्वी को हमें बचाना है

पृथ्वी को हमें बचाना है,
अधिक वृक्ष लगाना है,
प्लास्टिक का उपयोग,
हरगिज़ नहीं करना है।

जान लो बच्चा,
पृथ्वी के लिए,
प्लास्टिक नहीं है अच्छा,
इसे उपयोग में लाने के लिए
करना न कतई इच्छा।

न सड़ता है न गलता है,
पृथ्वी को यह बर्बाद करता है,
प्रदूषित हो रहे पर्यावरण को,
पृथ्वी को भी हमें बचाना है,
आओ पर्यावरण को,
सुंदर स्वचछ बनाना है,
कूड़ा-कचड़ा नहीं फैलाना है,
यह संकल्प हम सबको लेना है,
अधिक वृक्ष लगाना है।

- चाँद बहार
पता:- फलका, कटिहार

आजाद कुमार, वर्ग 3, प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ, पटना

विद्यालयी क्रियाकलाप

कविता- बचपन का चाँद / सुरेश सचान पटेल

बचपन में मैं जब-जब, रूठ के रोया करता था।
तब अपनी फरमाइश में, चाँद को मांगा करता था।

बड़े दुलार से दादी अम्मा,मुझे दुलारा करती थीं।
चाँद दिखा कर तब मुझको,वह उसे बुलाया करती थीं।

कहती थी चंदा मामा आयेगा,खूब खिलौने लायेगा।
अपने हाथों से मुन्ने को,दूध भात खूब खिलाएगा।

प्यारा सुंदर चाँद देख कर,मन ही मन हर्षाता था।
जब चाँद नहीं था पास में आता, मैं लोट धरा में जाता था।

दादी माँ फिर कहती थी,देखो चाँद में बुढ़िया रहती है,
बैठ चाँद के आंगन में,वह दही बिलोरा करती है।

ताजा मक्खन लेकर के वह,जल्दी ही फिर आयेगी,
प्यारे मुन्ने मुंह में तेरे,माखन खूब खिलाएगी।

मैं भी इन्ही उम्मीदों को लेकर, चुप होकर सो जाता था,
अगले दिन मैं फिर से उठकर, चाँद की आश लगाता था।

जब नहीं चाँद आता धरती पर,फिर दादी से पूछता था,
फिर से चाँद की हठ करता था,फिर दादी से रूठता था।

दादी कहती प्यारे मुन्ने,सफर चाँद का दूर बहुत है,
थक जाता है चलते चलते,उसको भी तो काम बहुत है।

निश्चय ही चंदा मामा, एक दिन घर तेरे आयेगा,
खूब दुलारेगा तुमको,खूब नए खिलौने लायेगा।

पुखरायां, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश

Sudhansu Raj, 4th, UMS Jhitkahiyan Rampur, Dist-

Wall painting Sanjana Kri, 6th, UMS Jhitkahiyan, Rampur,

मै मजदूर हूँ..

मैं मजदूर हूँ,
मजबुर तो नही,
मेहनत से कमाता हूँ
मांगता तो नहीं।

बोझ मैं ढोता हूँ,
रोता तो नही,
ऊंचे- ऊंचे इमारतें मै बनाता हूँ,
मैं उस में रहता तो नही|

बड़े - बड़े स्कूले मै बनाता हूँ,
मेरे बच्चे उस में पढ़ते तो नही।
सड़के मैं रोज बनाता हूँ,
मैं उस पर गाड़ी चलाता तो नही।

तन में न है मेरे कपड़े एक,
पैरो में है छाले अनेक।
इरादा मेरे भी है नेक,
अरमान मेरे भी है अनेक।

अबतक पूरे हुए न एक,
मैं मजदूर हूं ।।

नाम- अक्स नाज, कक्षा- 10
ठाकुरगंज

राधिका कुमारी, वर्ग-7, उ.म.
विद्यालय सरैया भगवानपुर कैमर

संतोष कुमार, हरिहरसाहा कॉलेज
उदाकिशुनगंज, जिला- मधेपुरा

माहे रमजान

आया माहे रमजान,
रोज़े रखे हर मुसलमान
दिन गुजरे इबादत में,
रात गुजरे इबादत में

खता न करे निगाह और जुबा से,
मिले मगफिरत माहे रमजान में।
संभल कर चल ऐ मुसलमान,
दिल को पाक साफ रख ऐ मुसलमान

है ये महिना बरकत, रहमत, मगफिरत की,
फिर मिल जाती है खुशी ईद की।

नाम - अक्स नाज, कक्षा- १०, ठाकुरगंज

मेरा बिहार

मेरा बिहार सबसे सुंदर
करता सबका वंदन
सम्मानित हैं महिला सारी
शीश पे रोली चंदन।।

सबसे प्यारा मेरा बिहार
लगता जैसे फूलों का हार
पटना में है गोलघर
और पटना में चिड़ियांघर ।।

हरे भरे खेत बिहार में
पक्षी चहके बिहार में
प्रेम से कहते जय बिहार
मेरा बिहार सबसे सुंदर ।।

प्रज्ञा पुष्पम, कक्षा-4,
मध्य विद्यालय हनुमान नगर बेलदौर,खगड़िया

Priyansu Kumari, Class- 5, P S KHANETHI

कहानी:

नीले गगन में आज कई दिनों से बादल मंडरा रहा था और वर्षा होने का नाम ही नहीं ले रहा था।आज फुलेसर गगन की ओर आशा भरी दृष्टि से देखता और मन ही मन प्रार्थना करता बारिश हो जाए तो वह धान की रोपनी कर ले। चूँकि धान का बीचड़ा तैयार है। पिछले वर्ष प्राकृतिक आपदा के कारण धान फसल बुरी तरह नष्ट ही हो गया था। हालांकि इस वर्ष मक्का की फसल में उसका परिश्रम रंग लाया है और भाव भी अच्छा मिल जाने के कारण बेहतर लाभ हुआ और अगर धान की फसल भी साथ दे दे तो वह इस वर्ष अपने मुनिया के हाथ पीले कर सकेगा। इन्हीं आशाओं और अपनी लाडली बेटी को नवजीवन देने का स्वप्न संजोए हल-बैल लेकर खेत की ओर खेत तैयार करने चले गए। अब वह ठान लिया था कि इस बार खून पसीना बहा कर अथक परिश्रम कर धान उपजाएगा और बेटी की करेगा ब्याह।

कड़ी धूप में हल-बैल से अपनी खेतों को जोत कर तैयार किया।तभी फुलेसर ने देखा प्रचंड गर्मी के बाद आकाश में बादलों का वितरण जारी हो गया और देखते ही देखते बादल गरजने लगे और जमकर बारिश हुई। तपती धरती तृप्त होकर निहाल हो उठे। फुलेसर के खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वे दूसरे दिन पत्नी व मजदूर के साथ मिलकर कादो करने के बाद धान की रोपनी कर दी।

फूलेसर दिन और रात अथक परिश्रम किया समय पर पटवन, समय पर खाद दिए और पत्नी सुनैना के साथ धान की कमौनी भी की ।दोनों खेतों में मिलकर काम करते हैं और अपनी लाडली बिटिया को लेकर सपने भी देखते हैं। इस बार फसल बेच कर बेटी के विवाह किस प्रकार और कैसे-कैसे खर्च करने हैं इत्यादि पर विचार करते रहे। फसल जब उठी तो धान की हरियाली देख दोनों प्राणी भाव विभोर हो उठते थे। धान की हरियाली देख कर ऐसा लगता है जैसे वनों में प्रकृति ने खेतों के श्रृंगार हेतु हरे-हरे चादर बिछा दिए हैं। फुलेसर का मेहनत सफल रहा और पैदावार जमकर हुई धान को पंचायत के पैक्स के माध्यम से सरकारी दर पर धान बेचकर अच्छी खासी रकम इकट्ठा की। दोनों ही प्राणी काफी खुश थे। अब दोनों मिलकर बेटी के वर की तलाश करने में लगे। हालांकि वर खोजने में थोड़ी दिक्कत तो जरूर थी । मगर, यहां भी उन्हें भाग्य ने सहयोग किया और जल्दी ही अच्छे और संभ्रांत परिवार में बेटी की शादी धूमधाम से की और चैन की सांस ली।

चाँद बहार, वर्ग-11, फलका, जिला-कटिहार (बिहार)

राधिका कुमारी, वर्ग- 7, उ. म. वि. सरैया, भगवानपुर, कैमूर

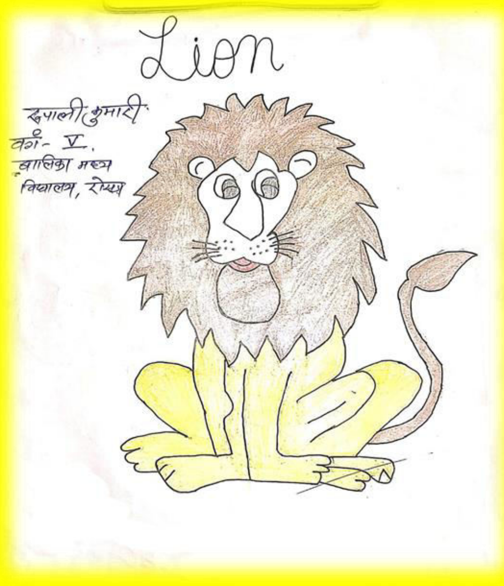

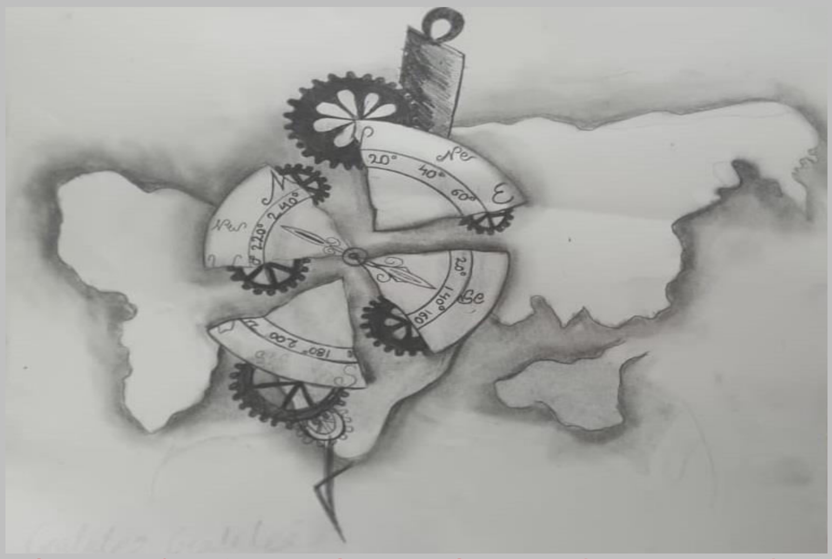

राधिका कुमारी, वर्ग-7, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया भगवानपुर कैमूर

Name -Ankita kumari , School- Public Central School, Khalispur, Samastipur

sonam kumari
class 5
Ums dogachhi

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp : 8877318781 (Tripurari Roy)

धन्यवाद

अप्रैल 2023

प्रमाण पत्र संख्या ToB/Bal/2023/18

ToB उभरते सितारे

बालमंच

प्रशस्ति पत्र

अंश कुमार

मध्य विद्यालय रौटी, ,महिषी, सहरसा

को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैगजीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं 'ड्राइंग' के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।

भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।

रूबी कुमारी, प्रधान संपादिका,बालमंच | त्रिपुरारि राय, संपादक एवं क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच | शिव कुमार, संस्थापक

www.teachersofbihar.org

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:- https://www.teachersofbihar.org/award

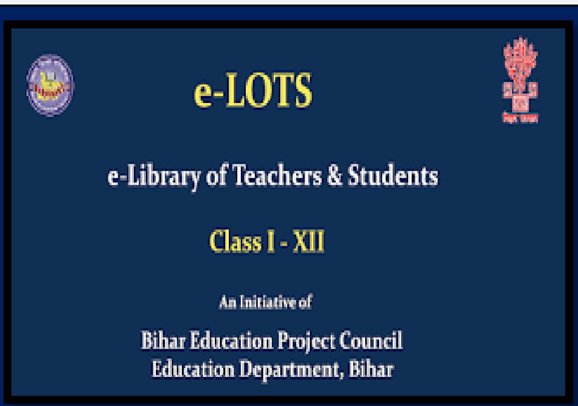

THANKS FOR A VIEW